# सवारी रुखसते इमाम ऐ हुसैन (अलै.)

दस महोर्रम

या हज़रते शब्बीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर
ऐ साहेबे तौक़ीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

फरज़न्दे रसूल इबने अली शाहे दो आलम
शहन्शाहे दिलगीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

मासूमए कौनैन की आग़ोश के पाले
ऐ साहेबे तौक़ीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

सरदारे जवानाने जिना ज़ीनते आलम
ऐ अरश की तनबीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

किस तरह ग़ुलाम आपको रुखसत करें मौला
क्योंकर कहें दिलगीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

मोहताजे कफन बे वतनों ओ साबिरो शाकिर
ऐ सब्र की तस्वीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

बे यारो भद्गार शहीदे रहे ख़ालिक
ऐ कुशतए शमशीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

तशना दहन आवारा वतन शाहे शहीदाँ
ऐ बेकसो दिलगीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर

ऐ 'फ़िक्र' हम अब भी न गए रौज़ए शह पर
और जाते है शब्बीर खुदा हाफ़िज़ो नासिर